प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2023-24
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

सामान्य निर्देश :-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- इस प्रश्न पत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'अ' में 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न संख्या	अपठित बोध	अंक (15)
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :-**	10x01 =10

पश्चिमी सभ्यता मुख मोड़ रही है। वह एक नया आदर्श देख रही है। अब उसकी चाल बदलने लगी है। वह कलों की पूजा को छोड़कर मनुष्यों की पूजा को अपना आदर्श बना रही है। इस आदर्श के दर्शाने वाले देवता रस्किन और टालस्टॉय आदि हैं। पाश्चात्य देशों में नया प्रभात होने वाला है। वहाँ के गंभीर विचार वाले लोग इस प्रभात का स्वागत करने के लिए उठ खड़े हुए हैं। प्रभात होने के पूर्व ही उसका अनुभव कर लेने वाले पक्षियों की तरह इन महात्माओं को इस नए प्रभात का पूर्व ज्ञान हुआ है और हो क्यों न ? इंजनों के पहिए के नीचे दबकर वहाँ वालों के भाई - बहन - नहीं नहीं उनकी सारी जाति पिस गई, उनके जीवन के धुरे टूट गए, उनका समस्त धन घरों से निकलकर एक ही दो स्थानों में एकत्र हो गया।

साधारण लोग मर रहे हैं, मज़दूरों के हाथ - पाँव फट रहे हैं, लहू बह रहा है! सर्दी से ठिठुर रहे हैं। एक तरफ दरिद्रता का अखंड राज्य है, दूसरी तरफ अमीरी का चरम दृश्य। परंतु अमीरी भी मानसिक दुखों से विमर्दित है। मशीनें बनाई तो गई थीं मनुष्यों का पेट भरने के लिए - मज़दूरों को सुख देने के लिए - परंतु वे काली - काली मशीनें ही काली बनकर उन्हीं मनुष्यों का भक्षण कर जाने के लिए मुख खोल रही हैं। प्रभात होने पर ये काली - काली बलाएँ दूर होंगी। मनुष्य के सौभाग्य का सूर्योदय होगा।

शोक का विषय यह है कि हमारे और अन्य पूर्वी देशों में लोगों को मज़दूरी से तो लेशमात्र भी प्रेम नहीं है, पर वे तैयारी कर रहे हैं पूर्वोक्त काली मशीनों का आलिंगन करने की। पश्चिम वालों के तो ये गले पड़ी हुई बहती नदी की काली कमली हो रही हैं। वे छोड़ना चाहते हैं, परंतु काली कमली उन्हें नहीं छोड़ती। देखेंगे पूर्व वाले इस कमली को छाती से लगाकर कितना आनंद अनुभव करते हैं। यदि हममें से हर आदमी अपनी दस उँगलियों की सहायता से साहसपूर्वक अच्छी तरह काम करे तो हम मशीनों की कृपा से बढ़े हुए परिश्रम वालों को वाणिज्य के जातीय संग्राम में सहज ही पछाड़ सकते हैं। सूर्य तो सदा पूर्व ही से पश्चिम की ओर जाता है। पर आओ पश्चिम से आने वाली सभ्यता के नए प्रभात को हम पूर्व से भेजें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इंजनों की वह मज़दूरी किस काम की जो बच्चों, स्त्रियों और कारीगरों को ही भूखा नंगा रखती है और केवल सोने, चाँदी, लोहे आदि धातुओं का ही पालन करती है। पश्चिम को विदित हो चुका है कि इनसे मनुष्य का दुख दिन पर दिन बढ़ता है।

1. "पाश्चात्य देशों में **नया प्रभात** होने वाला है।"- पंक्ति में रेखांकित पद का आशय हो सकता है ? 1

- **a.** नया प्रकाश
- **b.** नया विचार
- **c.** नया सवेरा
- **d.** नया प्रभास

2. संदर्भ के अनुसार गद्यांश में 'विमर्दित' शब्द का सटीक अर्थ क्या हो सकता है ? 1

- **a.** ठगी हुई
- **b.** ग्लानि पूर्ण
- **c.** ईर्ष्या पूर्ण
- **d.** पीड़ा पूर्ण

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए – 1

कथन (I) : मानवीय दक्षता को महत्त्व देना चाहिए।
कथन (II) : मनुष्य तथा मानवीयता से प्रेम करना चाहिए।
कथन (III) : अपनी चाल को बदल लेना चाहिए।
कथन (IV) : मानव जीवन को आदर्श मानना चाहिए।

गद्यांश के अनुसार कौन - सा/ से कथन सही हैं ?

- **a.** केवल कथन I सही है।
- **b.** केवल कथन II सही है।
- **c.** केवल कथन II और III सही हैं।
- **d.** केवल कथन I और IV सही हैं।

4. गद्यांश के अनुसार पूर्वी देशों की समस्या क्या है ? 1

- **a.** मज़दूरों के लिए अधिकारों की कमी
- **b.** मज़दूरों का पूंजी पतियों द्वारा शोषण
- **c.** मज़दूरी को कम महत्त्व का आंकना
- **d.** मज़दूरी पर अमीरी का प्रभाव

5. गद्यांश के अनुसार साधारण लोग क्यों मर रहे हैं ? 1

- **a.** मानव श्रम से ज्यादा मशीनों को महत्त्व मिलने के कारण
- **b.** हाथ - पाँव फटने, खून रिसने और सर्दी के कारण
- **c.** कम मजदूरी मिलने कारण हुई बीमारियों से
- **d.** कार्य क्षेत्रों के विषैले पर्यावरण व खाने की कमी से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. गद्यांश में मशीनों को 'काली मशीनें' कहना किस बात की ओर संकेत करता है ? 1

a. काला रंग शोक का प्रतीक होता है।
b. मशीनों द्वारा जन साधारण में बेरोज़गारी बढ़ाने के कारण
c. माँ दुर्गा के अवतार काली के जैसे भक्षण करने के कारण
d. मशीनों से अमीरों द्वारा काले धन अर्जन करने के कारण

7. "इंजनों के पहिए के नीचे दबकर वहाँ वालों के....." इस प्रक्रिया के क्या परिणाम हुए? 1

a. आर्थिक संपदा का अनुचित वितरण
b. भाई बहनों व अन्य रिश्तेदारों में दुराव
c. समस्त जाति द्वारा कठिन परिश्रम
d. मशीनों द्वारा मनुष्यों का संरक्षण

8. रस्किन और टालस्टॉय का महत्त्व है क्योंकि इन्होनें 1

a. पूर्वी देशों में साम्राज्यवाद के विरुद्ध आवाज़ उठाई थी
b. मानवीय संवेदनाओं एवं गुणों को महत्त्व दिया था
c. धार्मिक कट्टरता के प्रति चेतना जगाई थी
d. गाँधी जी इन दोनों के विचारों से अत्याधिक प्रभावित थे।

9. मनुष्य के सौभाग्य का सूर्योदय कब होगा ? 1

a. मजदूरों द्वारा क्रांति करने से
b. मशीनों के हट जाने से
c. सभी लोगों को काम मिलने से
d. मानवीय दक्षताओं को महत्त्व मिलने से

10. मनुष्य के दुख में निरंतर वृद्धि का क्या कारण बताया गया है ? 1

a. मशीनों पर अत्यधिक आश्रित हो जाना
b. मानवीय दक्षता की आलोचना
c. पूँजी पतियों द्वारा गरीबों का शोषण
d. काली मशीनों द्वारा मनुष्यों का भक्षण

प्रश्न 2. दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :- 05x01 =05

कुश्ती कोई भी लड़े
ढोल बजाता है सिमरू ही
जिसके सधे हाथ
भर देते हैं जोश पूरे दंगल में
उछलने लगती है मिट्टी पूरे अखाड़े की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ताक धिना-धिन... ताक धिना-धिन
झाँकने लगते हैं लोग
एक-दूसरे के कन्धों के ऊपर से
उचक-उचक कर

बहुत गहरा है रिश्ता
सिमरू और ढोल का—
जैसे साँस और धड़कन का

ढोल ख़ामोश है
तो ख़ामोश है
अखाड़े की माटी

ख़ामोश ढोल को
जगाएँगे हाथ सिमरू के
ढोल बजेगा
जागेगा अखाड़ा
जागेगी माटी अखाड़े की
माटी ही तो है
जो स्वीकारती है सभी को
अच्छे हों या बुरे
हर रूप में!!

1. ढोल बजाता है सिमरू ही - पंक्ति में **'ही'** क्या इंगित करता है ? 1

- **a.** आदत
- **b.** महत्त्व
- **c.** आडंबर
- **d.** प्रेम

2. कुश्ती में जोश कब भर आता है ? 1

- **a.** जब हारता हुआ पहलवान जीतने लगता है
- **b.** जब दोनों पहलवान बराबर की टक्कर वाले होते है
- **c.** जब फ़ाइनल कुश्ती द्वारा राष्ट्रीय विजेता तय होता है
- **d.** जब सिमरू द्वारा ढ़ोल बजाया जाता है

3. माटी द्वारा अच्छे - बुरे को स्वीकारने का क्या तात्पर्य है ? 1

- **a.** माटी सबको जीतने का समान अवसर देती है
- **b.** माटी का न्याय सबको स्वीकार्य होता है
- **c.** अंत में अच्छे बुरे सभी माटी में मिल जाते हैं
- **d.** माटी की गोद में अच्छे-बुरे सभी पलते हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. ढोल तथा अखाड़े की माटी में क्या समानता बताई गई है ? 1

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

कथन (I) : दोनों को उपयोग करने से पहले तैयार करना होता है

कथन (II) : दोनों में श्रम की आवश्यकता होती है

कथन (III) : दोनों का प्रयोग कर लोग अपनी कला सिद्ध करते है

कथन (IV) : दोनों की परिवर्तन में भूमिका होती है

निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

विकल्प:-

- **a.** केवल कथन (III) सही है।
- **b.** केवल कथन (IV) सही है।
- **c.** केवल कथन (II) और (III) सही हैं।
- **d.** केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

5. कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कॉलम 1		**कॉलम 2**	
1	सिमरू	(i)	श्रमजीवी वर्ग
2	ढोल	(ii)	सामाजिक भूमि
3	अखाड़ा	(iii)	परिश्रम

- **a.** 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)
- **b.** 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)
- **c.** 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)
- **d.** 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

प्रश्न संख्या	**अभिव्यक्ति और माध्यम**	**अंक (05)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :-**	**05x01 =05**

1. आलेख कुछ - कुछ फ़ीचर जैसा होता है। फिर भी दोनों में पर्याप्त अंतर है। अतः आलेख का निम्नलिखित में से विषय नहीं हो सकता है ? 1

- **a.** ब्रेकिंग न्यूज़
- **b.** राजनीति
- **c.** खेलकूद
- **d.** समसामयिकी

2. ऐसा सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन, जिसके माध्यम से सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिया जाता है, उसे ______ कहते हैं। 1

- **a.** समीक्षा करना
- **b.** फीचर लेखन
- **c.** आलेख लेखन
- **d.** रिपोर्ट बनाना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को कहा जाता है :- 1

- **a.** लेखक
- **b.** एंकर
- **c.** संपादक
- **d.** संवाददाता

4. रजत एक पत्रकार हैं। वे सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर खेल से जुड़ी या इस विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करते हैं। उनकी रिपोर्टिंग को क्या कहा जा सकता है ? 1

- **a.** बीट रिपोर्टिंग
- **b.** फ्रीलांसिंग
- **c.** विशेषीकृत रिपोर्टिंग
- **d.** एंकरिंग

5. भास्कर पत्रकार हैं। वे आर्थिक जगत की खबरें बड़ी दिलचस्पी और सक्रियता से कवर करते हैं। उनकी रुची और रुझान के अनुसार वे क्या बन सकते हैं ? 1

- **a.** लेखक
- **b.** पाठक
- **c.** स्तंभ लेखक
- **d.** विषय विशेषज्ञ

प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 4.	निम्नलिखित काव्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -	**05x01 =05**

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ
सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,
जग भव-सागर तरने की नाव बनाए,
मैं भव-मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

1. कवि के स्वप्नों का संसार है ? 1

- **a.** यथार्थ
- **b.** आदर्श
- **c.** स्वप्निल
- **d.** सुखी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार **सही कथन** को चयनित कर लिखिए। 1

- **a.** स्मृतियों की नाव में कवि एक यात्री है।
- **b.** कविता में अग्नि परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक है।
- **c.** यथार्थ संसार से कवि को कोई सरोकार नहीं है।
- **d.** सुख - दुख का असर कवि पर होता है।

3. काव्यांश में 'उर' से तात्पर्य है ? 1

- **a.** हृदय
- **b.** इच्छा
- **c.** स्मृति
- **d.** आवेश

4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) : यथार्थ यथार्थ को स्वीकार नहीं करने से कवि के स्वप्न अधूरे रह गए हैं।

कारण (R) : कल्पना और वास्तविकता में सामंजस्य की कमी होने से कवि को संसार अधूरा महसूस होता है।

- **a.** कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
- **b.** कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
- **c.** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।
- **d.** कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5. भव - मौजों में मस्त बहने से तात्पर्य क्या है ? 1

- **a.** सांसारिक सुख रूपी लहरें
- **b.** मौज - मस्ती करना
- **c.** स्वप्न में उपजी सुख - दुख की लहरें
- **d.** नाव जैसी बहने वाली भावुकता

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :- 05x01 =05

मैंने मन में कहा, ठीक। बाज़ार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो । सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक बाज़ार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफ़ी नहीं है और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है, ओह! कोई अपने को न जाने तो बाज़ार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े। विकल क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करके मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

1. गद्यांश में प्रयुक्त 'अतुलित' शब्द का समानार्थी शब्द हो सकता है ? 1

- **a.** अरिहंत
- **b.** अथाह
- **c.** अभाव
- **d.** अक्षय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. गद्यांश का केंद्रीय भाव है ? 1

- **a.** बाज़ार के प्रकार बताना
- **b.** बाज़ार न जाने की सलाह
- **c.** मनुष्य की तृष्णा को इंगित करना
- **d.** मनुष्य पर बाज़ार के जादू का असर

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार **सही कथन** को चयनित कर लिखिए। 1

- **a.** जब मनुष्य बैचेन हो जाता है तब वह बाज़ार की ओर उन्मुख हो जाता है।
- **b.** जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते हैं।
- **c.** जब मनुष्य को बाज़ार आमंत्रित करता है तब मनुष्य की व्याकुलता इसका कारण होती है।
- **d.** जब मनुष्य बाज़ार का तिरस्कार करता है तब वह इसका सही लाभ ले पाता है।

4. कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कॉलम 1		**कॉलम 2**	
1	आग्रह का तिरस्कार जागता	(i)	मौन रहकर कार्य करना
2	बड़े बाज़ार का जादू	(ii)	अपनी तृष्णा को रोकना
3	बाज़ार के जादू से बचने का उपाय	(iii)	इच्छा पूर्ण ना होना

- **a.** 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)
- **b.** 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)
- **c.** 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)
- **d.** 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

5. बाज़ार का आमंत्रण कि, 'आओ मुझे लूटो' से क्या आशय है ? 1

- **a.** बाज़ार लुट जाना चाहता है
- **b.** बाज़ार के पास वस्तुएँ बहुत ज्यादा हैं
- **c.** बाज़ार केवल खुद का रूप दिखाना चाहता है
- **d.** बाज़ार आकर्षित करना चाह रहा है

प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (10)**

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :- **10x01=10**

1. यशोधर बाबू दफ़्तर से घर जल्दी क्यों नहीं जाते थे ? 1

- **a.** पत्नी और बच्चों से हर छोटी - बड़ी बात पर मतभेद होने के कारण
- **b.** पीढ़ियों के अंतराल के कारण
- **c.** ईश्वर में मन लग जाने के कारण
- **d.** आधुनिकता के प्रति नकार की भावना के कारण

2. संसार के प्राचीनतम दो नियोजित शहर किसे माना गया है ? 1

- **a.** मेसोपोटामिया तथा सिंधु घाटी
- **b.** मेसोपोटामिया तथा हड़प्पा
- **c.** हड़प्पा तथा मुअनजो-दड़ो
- **d.** मुअनजो-दड़ो तथा मेसोपोटामिया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. मुअनजो - दड़ो की अनूठी मिसाल क्या है ? 1

   a. नगर नियोजन
   b. प्राचीन शहर
   c. अन्न भंडार
   d. मृतकों का टीला

4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) : यशोधर बाबू के बच्चे धर्म, रिश्तेदार तथा समाज को पिछड़ा मानते हैं।
कारण (R) : वे महत्त्वाकांक्षी और प्रगतिशील हैं। उनमें समय के साथ बदलाव आ गया है।

   a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
   b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
   c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
   d. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :- 1

कथन (I) : सिंधु सभ्यता में नगर - नियोजन उन्नत नहीं था।
कथन (II) : सिंधु घाटी सभ्यता की खूबी सौंदर्य बोध है।
कथन (III) : मुअनजो-दड़ो छोटे - मोटे टीलों पर बसा था।
कथन (IV) : सिंधु घाटी सभ्यता टीलों पर आबाद थी।

सही कथन/ कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए।

   a. कथन (I) तथा (II) सही हैं।
   b. कथन (I), (II) तथा (III) सही हैं।
   c. कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
   d. कथन (II) तथा (III) सही हैं।

6. कहानी सिल्वर वैडिंग में यह वाक्य 'वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा करे'-किसने कहा होगा ? 1

   a. किशन दा
   b. यशोधर बाबू
   c. भूषण
   d. चड्ढा

7. 'जूझ' - कहानी का लेखक पढ़ना क्यों चाहता था ? 1

   a. ज्ञान के लिए
   b. रोज़गार के लिए
   c. कवि बनने के लिए
   d. आत्मविश्वास के लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. जूझ कहानी में लेखक का मन पाठशाला जाने के लिए तड़पता था। लेखक के पाठशाला ना जाने पाने का कारण था ? 1

- **a)** दादा का कामचोर स्वभाव
- **b)** कवि बनने का स्वप्न
- **c)** खेती की मेहनत से बचना
- **d)** घर का कर्ज़

9. कहानी सिल्वर वैडिंग में यशोधर बाबू के बच्चों के लिए कहा गया है कि, 'बच्चे आधुनिक युवा हो चले हैं'। इस पंक्ति से लेखक का क्या आशय हो सकता है ? 1

- **a.** जीवन के सभी सुख प्रिय हैं
- **b.** पिता की दिनचर्या से नाराज़गी
- **c.** अच्छी पगार मिलना
- **d.** आधुनिक जीवन शैली की ओर रुझान

10. 'जूझ' - कहानी के शीर्षक का अर्थ क्या है ? 1

- **a.** मेहनत
- **b.** कठिनाई
- **c.** संघर्ष
- **d.** चालाकी

खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न संख्या	**जनसंचार और सृजनात्मक लेखन**	**अंक (16)**
प्रश्न 7.	निम्नलिखित दिए गए **03** विषयों में से किसी **01** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- क. डिजिटल युग और मैं ख. परीक्षा तनाव के कारण व इसे रोकने के उपाये ग. उच्च शिक्षा हेतु छात्रों का विदेशों को पलायन	**06x01 =06**
प्रश्न 8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :-	**02x02 =04**
(i)	कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवादों के महत्त्व पर टिप्पणी कीजिए। ***अथवा*** नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के संदर्भ में 'मैं' शैली के प्रयोग के बारे में क्या मान्यता है ?	02x01= 02
(ii)	नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें - "इस तरह का लेखन खुले मैदान की तरह होता है, जिसमें बेलाग दौड़ने, कूदने और कुलाँचे भरने की छूट होती है।" ***अथवा*** टी.वी. की तुलना में रेडियो माध्यम की कोई दो सीमाएँ बताएँ।	02x01= 02

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :- **03x02 =06**

(i) आपको श्रोताओं, दर्शकों या पाठकों को बाँधकर रखने की दृष्टि से प्रिंट माध्यम, टी.वी. और रेडियो में से सबसे सशक्त माध्यम कौन - सा लगता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें। 3

(ii) डिजिटल मीडिया के उदय ने समाचार लेखन की उल्टी पिरामिड शैली के उपयोग को कैसे प्रभावित किया है ? 3

(iii) समाचार पत्रों में विशेष लेखन से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित उत्तर दें। 3

प्रश्न संख्या	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	अंक (20)

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :- **03x02 =06**

(i) बारिशों के बाद, भादों के पश्चात प्रकृति में परिवर्तन का कवि ने किस प्रकार वर्णन किया है ? पतंग कविता के आधार पर अपने शब्दों में वर्णन करें । 3

(ii) 'छोटा मेरा खेत' कविता में अंधड़ और बीज से कवि का क्या तात्पर्य है ? 3

(iii) व्यक्ति पर प्रशंसा का क्या प्रभाव पड़ता है ? 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर बताइए | 3

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :- **02x02 =04**

(i) कैमरे में बंद अपाहिज कविता के आधार पर स्पष्ट करें कि दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने कमज़ोर को ही क्यों लाते हैं ? 2

(ii) 'बादल राग' कविता के आधार पर भाव स्पष्ट कीजिए – "विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते |" 2

(iii) 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे और क्यों की गई है ? 2

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :- **03x02 =06**

(i) "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं" - लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ? 3

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर पानी और बारिश के अभाव में गाँव की दशा का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए । 3

(iii) शिरीष के फूल निबंध में अवधूत रूप के रूप में लेखक ने किस महात्मा को याद किया है और क्यों ? 3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 13.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	**02x02 =04**
(i)	डॉ. आंबेडकर 'समता' को कल्पना की वस्तु क्यों मानते हैं ?	2
(ii)	कहानी 'पहलवान की ढोलक' व्यवस्था के बदलने के साथ लोक कला और इसके कलाकार के अप्रासंगिक हो जाने की कहानी है। पंक्ति को विस्तार दीजिए ।	2
(iii)	जिन्हें अपनी ज़रूरत का पता नहीं होता, वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन कैसे बढ़ाते हैं ?	2
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (04)**
प्रश्न 14.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए **02** प्रश्नों में से किसी **01** प्रश्न का लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	**04x01 =04**
(i)	'सिल्वर वैडिंग' कहानी में यशोधर बाबू को अपने बच्चों की आकर्षक आय 'समहाउ इंप्रापर' क्यों लगती है ? आप यशोधर बाबू के स्थान पर होते तो 'समहाउ इंप्रापर' से कैसे सांमजस्य स्थापित करते ?	04
	अथवा	
	उस घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए जिससे पता चलता है कि लेखक की माँ उसके मन की पीड़ा समझ रही थी? 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए।	

-x-----x-----x-----x-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंक योजना - प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (2023-24)
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

<u>सामान्य निर्देश :-</u>

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- खंड- अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
- खंड -ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड --अ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न क्रम संख्या	उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न 1.	**प्रश्न - अपठित बोध - गद्यांश**	**10x01=10**
1.	b. नया विचार	1
2.	d. पीड़ा पूर्ण	1
3.	a. केवल कथन I सही है।	1
4.	c. मज़दूरी को कम महत्त्व का आंकना	1
5.	a. मानव श्रम से ज्यादा मशीनों को महत्त्व मिलने के कारण	1
6.	b. मशीनों द्वारा जन साधारण में बेरोज़गारी बढ़ाने के कारण	1
7.	a. आर्थिक संपदा का अनुचित वितरण	1
8.	b. मानवीय संवेदनाओं एवं गुणों को महत्त्व दिया था	1
9.	d. मानवीय दक्षताओं को महत्त्व मिलने से	1
10.	a. मशीनों पर अत्यधिक आश्रित हो जाना	1
प्रश्न 2.	**प्रश्न - अपठित बोध - पद्यांश**	**05x01=05**
1.	b. महत्त्व	1
2.	d. जब सिमरू द्वारा ढ़ोल बजाया जाता है	1
3.	c. माटी की गोद में अच्छे-बुरे सभी पलते हैं	1
4.	b. केवल कथन (IV) सही है।	1
5.	b. 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3.	**प्रश्न - अभिव्यक्ति और माध्यम**	**05x01=05**
1.	a. ब्रेकिंग न्यूज़	1
2.	b. फीचर लेखन	1
3.	d. संवाददाता	1
4.	c. विशेषीकृत रिपोर्टिंग	1
5.	d. विषय विशेषज्ञ	1
प्रश्न 4.	**प्रश्न - काव्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**05x01=05**
1.	b. आदर्श	1
2.	b. कविता में अग्नि परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक है।	1
3.	a. हृदय	1
4.	b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।	1
5.	a. सांसारिक सुख रूपी लहरें	1
प्रश्न 5.	**प्रश्न - गद्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**05x01=05**
1.	b. अथाह	1
2.	d. मनुष्य पर बाज़ार के जादू का असर	1
3.	b. जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते हैं।	1
4.	a. 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)	1
5.	d. बाज़ार आकर्षित करना चाह रहा है	1
प्रश्न 6.	**प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**10x01=10**
1.	a. पत्नी और बच्चों से हर छोटी - बड़ी बात पर मतभेद होने के कारण	1
2.	c. हड़प्पा तथा मुअनजो-दड़ो	1
3.	a. नगर नियोजन	1
4.	d. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
5.	d. कथन (II) तथा (III) सही हैं।	1
6.	b. यशोधर बाबू	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7.	b. रोज़गार के लिए	1
8.	a. दादा का कामचोर स्वभाव	1
9.	d. आधुनिक जीवन शैली की ओर रुझान	1
10.	c. संघर्ष	1

खंड – ब वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न क्रम संख्या	उत्तर	अंक विभाजन

जनसंचार और सृजनात्मक लेखन

प्रश्न 7. दिए गए **03** विषयों में से किसी **01** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख :- **06x01=06**

आरंभ —1 अंक
विषयवस्तु --3 अंक
प्रस्तुति -- 1 अंक
भाषा -- 1 अंक

प्रश्न 8. प्रश्न - लगभग 40 शब्दों में उत्तर :- **02x02=04**

(i) 02x01=02

- कहानी की ही तरह नाटक में संवादों के द्वारा ही घटनाक्रम का विकास होता है
- अतः कहानी का नाट्य रूपांतरण करते हुए दृश्य लिखने के बाद कथावस्तु के अनुसार ही संवाद लिखे जाने चाहिए
- ये संवाद संक्षिप्त, पात्रानुकूल, प्रसंगानुकूल और सामान्य बोलचाल की भाषा में ही लिखे जाने चाहिए
- इसके लिए हम मूल कहानी के संवादों को थोड़ा छोटा कर सकते हैं और आवश्यकतानुसार नए संवाद भी गढ़ सकते हैं

अथवा

- नए तथा अप्रत्याशित विषयों के लेखन में आत्मपरक 'मैं' शैली का प्रयोग किया जा सकता है
- यद्यपि निबंधों और अन्य आलेखों में 'मैं' शैली का प्रयोग लगभग वर्जित होता है किंतु नए विषय और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में 'मैं' शैली के प्रयोग से लेखक के विचारों और उसके व्यक्तित्व को झलक प्राप्त होती है

(ii) 02x01=02

- नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि लिखने का कोई फ़ॉर्मूला आज तक दुनिया में नहीं बना है
- जिस तरह के विषय दिए जा सकते हैं, वे हो सकते हैं :- आपके सामने की दीवार, उस दीवार पर टंगी घड़ी, उस दीवार में बाहर की ओर खुलता झरोखा आदि -इत्यादि
- अर्थात लेखन के लिए लेखक के पास विषय, सिद्धांत आदि की कोई सेमा नहीं होती है
- लेखक की कल्पना, यथार्थ, आदर्श पर कोई बंधन नहीं होता है

अथवा

- टी.वी. श्रव्य माध्यम होने के साथ - साथ दृश्य माध्यम भी है, अतः दर्शकों को रेडियो की तुलना में अधिक बाँधे रखता है
- टीवी में शब्द दृश्यों के अनुसार और उनके सहयोगी के रूप में चलते हैं किंतु रेडियो में शब्द और आवाज़ ही सब कुछ है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 9. प्रश्न - दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर :- **03x02=06**

(i) **विद्यार्थी चाहें तो प्रिंट, टी.वी. अथवा रेडियो में से किसी एक अथवा एक से अधिक माध्यमों पर अपने तर्क प्रदान कर सकते हैं। जैसे :-** 3

- प्रिंट माध्यम में पसंद के अनुसार किसी भी पृष्ठ को एक बार या उससे अधिक बार पढ़ा जा सकता है
- शब्दों में स्थायित्व होता है
- पढ़ते हुए उस लिखे हुए पर विचार भी किया जा सकता है
- ○ टी.वी. में समाचार अथवा फिल्में हम देख भी सकते हैं और सुन भी सकते हैं। यह माध्यम दर्शकों को बांधे रखता है
- ○ समाचार व पात्र दिखने में सजीव लगते हैं तथा सचित्र प्रसारण से समाचार अधिक प्रामाणिक बन जाते हैं
- ○ टेलीविजन माध्यम साक्षर व निरक्षर दोनों प्रकार के लोगों के लिए उपयोगी है
- ○ कम समय में हम अधिक समाचार देख सकते हैं
- ○ समाचारों को रुचिकर ढंग से दिखाया जाता है
- ❖ रेडियो देश के कोने-कोने तक पहुँचता है
- ❖ रेडियो सस्ता माध्यम है
- ❖ साक्षर-निरक्षर सभी के लिए समान से उपयोगी

(ii) 3

- उल्टा पिरामिड शैली का विशेषतः प्रयोग मुद्रित या प्रिंट माध्यम तथा रेडियो में होता है
- डिजिटल मिडिया अधिक तीव्र एवं विस्तृत होने के कारण केवल उल्टा पिरामिड शैली पर आश्रित नहीं
- घंटे - दो घंटे में लोग स्वयं को अपडेट रखने लगे हैं, साथ ही डिजिटल मिडिया दृश्य और श्रव्य की सुविधाओं से लैस
- दृश्य और श्रव्य माध्यम जैसे टी.वी., इंटरनेट इत्यादि में समाचार, सूचना का एक बड़ा भाग दृश्य देख कर ही समझ आ जाता है
- अतः उल्टा पिरामिड शैली अब समाचार लेखन के अन्य तरीकों में से एक अन्य तरीका अथवा शैली ही है

(iii) 3

- अखबारों के लिए समाचारों के अलावा खेल, अर्थ-व्यापार, सिनेमा या मनोरंजन आदि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों से संबंधित घटनाएँ, समस्याओं आदि से संबंधित लेखन, विशेष लेखन कहलाता है
- जब किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर लेखन किया जाए तो उसे विशेष लेखन कहते हैं
- अतः विशेष लेखन की भाषा और शैली समाचारों की भाषा-शैली से अलग होती है
- विशेष लेखन के कई क्षेत्र हैं जैसे :-
- व्यापार, खेल, मनोरंजन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि इत्यादि

उदाहरण :-

- शेयर बाज़ार में भारी गिरावट :- सामान्य रिपोर्टिंग में तथ्यात्मक बातें होंगी
- शेयर बाज़ार में भारी गिरावट - विशेष लेखन के अंतर्गत खबर का विश्लेषण, गिरावट का कारण तथा निवेशकों पर इसका असर इत्यादि पर लेखन होगा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2

प्रश्न 10. प्रश्न - दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर :- **03x02=06**

(i) 3

- जब भादों मास के दौरान होने वाली घनघोर बारिश समाप्त हो जाती है तब शरद ऋतु का आगमन होता है
- खरगोश की लाल- भूरी आँखों जैसी चमकीली धूप निकल आती है
- इसके कारण चारों ओर उज्ज्वल चमक बिखर जाती है, आकाश साफ और मुलायम हो जाता है, चारों ओर स्वच्छ वातावरण हो जाता है
- हवाओं में मनोरम सुगंधित महक फैल जाती है
- शरद ऋतु के आगमन से चारों ओर उत्साह एवं उमंग का वातावरण बताया है, पतंगबाजी का माहौल बन जाता है
- शरद ऋतु का मानवीकरण करते हुए उसे साइकिल लेकर आते हुए चंचल बालक की तरह चित्रित किया है

(ii) 3

- 'अंधड़' का अभिप्राय है कि जब भावों की आँधी आती है तो रचना शब्दों का रूप लेकर कागज़ पर जन्म लेने लगती है
- वास्तव में भाव ही कविता रचने का पहला चरण है
- 'बीज' से कवि का आशय है कि जब भाव आँधी रूप में आते हैं तो कविता रचने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है

(iii) 3

- प्रशंसा से व्यक्ति स्वयं को सही व उच्चकोटि का मानने लगता है
- वह सही-गलत का निर्णय नहीं कर पाता
- उसका विवेक क्षीण हो जाता है
- कविता में प्रशंसा मिलने के कारण कवि अपनी सहज बात को शब्दों के जाल में उलझा देता है
- फलतः उसके भाव जनता तक पहुँच नहीं पाते
- सीधी और सरल बात को कहने के लिए जब कवि चमत्कारिक भाषा का प्रयोग करता है तब वह जो कहना चाहता है तब भाषा के चक्कर में भावों की सुंदरता नष्ट हो जाती है

प्रश्न 11. प्रश्न - दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर :- **02x02=04**

(i) 2

- दूरदर्शन वाले जानते हैं कि समाज में कमज़ोर व अशक्त लोगों के प्रति करुणा का भाव होता है
- लोग दूसरे के दुख के बारे में जानना चाहते हैं
- दूरदर्शन वाले इसी भावना का फ़ायदा उठाना चाहते हैं
- अपने लाभ के लिए ऐसे कार्यक्रम बनाते हैं

(ii) 2

- 'विप्लव-रव' से कवि का तात्पर्य क्रांति से है
- कवि के अनुसार जब क्रांति होती है, तो गरीब लोगों में या आम जनता में जोश भर जाता है
- यह वही वर्ग है, जो शोषण का शिकार होते हैं
- अतः जब समाज में क्रांति होती है, तो इसी वर्ग से आरंभ होती है

(iii) 2

- प्रात: कालीन नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की गई है
- इस समय आकाश नम तथा धुंधला होता है
- इसका रंग राख से लीपे चूल्हे जैसा मटमैला होता है
- जिस तरह चुल्हा-चौका सूख कर साफ़ हो जाता है उसी तरह कुछ देर बाद आकाश भी स्वच्छ एवं निर्मल हो जाता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 12.	प्रश्न - दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर :-		**03x02=06**

(i)
- भक्तिन अपनी गलत बात को सही करने के हज़ारों तर्क सामने रख देती थी
- भक्तिन लेखिका की सुविधा नहीं देखती थी, हर बात को वह अपनी सुविधा अनुसार करती थी
- लेखिका व भक्तिन के बीच बाहरी तौर पर सेवक-स्वामी का संबंध था, परंतु व्यवहार में यह लागू नहीं होता था
- भक्तिन नौकर कम, जीवन की धूप-छाँव अधिक थी
- भक्तिन लेखिका की छाया बनकर घुमती थी
- भक्तिन हर सुख-दुख में साथ रहती थी

3

(ii)
- झुलसा देने वाली लू चलती थी
- ढोर-ढंगर प्यास से मर रहे थे, पर प्यास बुझाने के लिए पानी नहीं था
- जेठ मास भी अपना ताप फैलाकर जा चुका था
- आषाढ़ के भी पंद्रह दिन बीत चुके थे
- कूएँ सूखने लगे थे, नलों में पानी नहीं था
- खेत की माटी सूख-सुख कर पत्थर हो गई थी
- गली-मुहल्ला, गाँव-शहर हर जल लोग गरमी से भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे थे

3

(iii)
- लेखक को महात्मा गांधी की याद आती है
- शिरीष पेड़ अवधूत की तरह, बाह्य परिवर्तन धूप, वर्षा, आँधी, लू-सब में शांत बना रहता है तथा पुष्पित-पल्लवित होता रहता है
- ठीक इसी तरह से महात्मा गांधी भी मारकाट, अग्निदाह, लूटपाट, खून खच्चर को बवंडर के बीच स्थिर रह सके थे
- इस समानता के कारण लेखक को गाँधी जी की याद आ जाती है, जिनके व्यक्तित्व ने समाज को सिखाया कि आत्मबल, शारीरिक बल से कहीं ऊपर की चीज़ है, आत्मा की शक्ति है
- जैसे शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल, इतना कठोर हो सका है, वैसे ही महात्मा गाँधी भी कठोर-कोमल व्यक्तित्व वाले थे

3

प्रश्न 13. प्रश्न - दिए गए **03** प्रश्नों में से किन्हीं **02** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर :- **02x02=04**

(i)
- डॉ० आंबेडकर का मानना है कि हर व्यक्ति समान नहीं होता
- जन्म, सामाजिक स्तर, प्रयत्नों के कारण भिन्नता व असमानता होती है
- मनुष्य जन्म से ही सामाजिक स्तर के अनुरूप तथा अपने प्रयासों के कारण भिन्न और समान होता है
- अतः पूर्ण रूप से समता एक काल्पनिक स्थिति है
- पूर्व समता एक काल्पनिक स्थिति है
- इसके बावजूद वे सभी मनुष्यों को विकसित होने के समान अवसर देना चाहते हैं
- वे सभी मनुष्यों के साथ समान व्यवहार चाहते हैं

2

(ii)
- पुरानी व्यवस्था में राजदरबार और जनता द्वारा इन कलाकारों को मान-सम्मान दिया जाता था, पर नई व्यवस्था में उन्हें सम्मान देने का प्रचलन न रहा
- वे राजघराने के खर्चे पर जीवित रहते थे, पर नई व्यवस्था में ऐसा न था
- उनके सहारे ये जीवित रहते थे, परंतु नई व्यवस्था में विलायती दृष्टिकोण को अपनाया गया
- लोक कलाकारों को कम महत्त्व प्राप्त
- पुरानी व्यवस्था में कलाकारों और पहलवानों को राजाओं का आश्रय एवं संरक्षण प्राप्त था

2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)

- समाज में कुछ लोग क्रय-शक्ति के बल से बाज़ार से वस्तुएँ खरीदते हैं — 2
- उन्हें अपनी ज़रूरत का पता नहीं होता
- वे समाज में असंतोष बढ़ाते हैं
- सामान्य लोगों के सामने अपनी क्रय-शक्ति का प्रदर्शन करते हैं
- वे शानो-शौकत के लिए उत्पाद खरीदते हैं और बाज़ारूपन को बढ़ाते हैं।
- ऐसे लोग बाज़ार से न सच्चा लाभ उठा पाते हैं, न उसे सच्चा लाभ दे सकते हैं
- वे धन के बल पर बाज़ार में कपट को बढ़ाते हैं

प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2

प्रश्न 14. प्रश्न - दिए गए **02** प्रश्नों में से किसी **01** प्रश्न का लगभग 60 शब्दों में उत्तर :- **04x01=04**

(i)

- यशोधर बाबू के अनुसार पैसा कमाने का साधन मर्यादित है तो उससे होने वाली आय पर सभी को गर्व — 04
- उनका वेतन बहुत धीरे-धीरे बढ़ता था, उससे अधिक महँगाई बढ़ जाती थी
- उनकी आय में हुई वृद्ध का असर उनके जीवन-स्तर को सुधार नहीं पाता
- यशोधर बाबू के बच्चे किसी बड़ी विज्ञापन कंपनी में नौकरी पाकर रातोंरात मोटा वेतन कमाने लगे
- यशोधर बाबू को इतनी मोटी तनख्वाह का रहस्य समझ में नहीं आता था
- यशोधर बाबू समझते थे कि इतनी मोटी तनख्वाह के पीछे कोई गलत काम अवश्य किया जा रहा है
- यशोधर बाबू ने अपना सारा जीवन कम वेतन में जैसे-तैसे गुज़ारा था, वे इतनी शान-शौकत को पचा नहीं पा रहे थे
- वास्तविकता जानने का प्रयास किया जा सकता है
- पीढ़ियों के बीच के अंतराल में सामंजस्य बैठाने के प्रयास किये जा सकते हैं

अथवा

- लेखक पढ़ना चाहता था
- पिता ने अपनी इच्छा को ध्यान में रखकर ही लेखक की पढ़ाई छुड़वा दी थी
- लेखक ने अपनी माँ से दत्ता जी राव सरकार के घर चलकर उनकी मदद से अपने पिता को राजी करने की बात कही
  - माँ अपने बेटे की पढ़ाई के बारे में वह दत्ता जी राव से जाकर बात भी करती है और पति से इस बात को छिपाने का आग्रह भी करती है

-x-----x-----x-----x-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in